नवीन पाठ्यपुस्तकों तथा नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित

संजीव®

आल इन वन

- पाठ्यपुस्तकों के सम्पूर्ण अभ्यास प्रश्नों का हल एवं अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर सहित
- हिन्दी के पद्य पाठ एवं अंग्रेजी के सभी पाठों का कठिन शब्दार्थ सहित सरल हिन्दी अनुवाद
- हिन्दी एवं अंग्रेजी में पाठ्यपुस्तकानुसार एवं पाठ्यक्रमानुसार व्याकरण का समावेश
- पाठ्यपुस्तक भाग 1, 2 एवं 3 के अनुसार पूर्णत: नवीन प्रकार से तैयार

कक्षा 3

मूल्य 260.00

संजीव प्रकाशन, जयपुर

Visit us at : www.sanjivprakashan.com

कक्षा-3 आल इन वन की विशेषताएँ

- पाठ्यपुस्तकों के सम्पूर्ण अभ्यास प्रश्नों का समावेश। अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश।
- पाठ्यपुस्तकों में प्रत्येक अध्याय के अन्त में दिए गये अभ्यास प्रश्नों के अतिरिक्त अध्यायों के बीच-बीच में भी विभिन्न प्रकार के प्रश्न दिये हुए हैं। इन प्रश्नों में जो भी प्रश्न विद्यार्थियों के लिए उपयोगी हो सकते हैं उन सभी के उत्तर इस संजीव आल इन वन में दिये गये हैं। अध्याय के बीच-बीच में आये इन प्रश्नों को इस संजीव आल इन वन में 'पाठ-सार' के बाद 'पाठगत प्रश्न' शीर्षक के अन्तर्गत दिया गया है। साथ ही विद्यार्थियों की सुविधा के लिए पाठ्यपुस्तक में जिस पृष्ठ पर इस प्रकार के प्रश्न दिये गये हैं उसकी पृष्ठ संख्या भी संजीव आल इन वन में दी गयी है।
- प्रत्येक पाठ या अध्याय में वस्तुनिष्ठ, अतिलघूत्तरात्मक, लघूत्तरात्मक एवं निबन्धात्मक आदि सभी प्रकार के प्रश्नोत्तर दिये गये हैं। परीक्षा में जिस-जिस प्रकार के प्रश्न पूछे जाते हैं, उन सभी को इस पुस्तक में दिया गया है।
- हिन्दी के पद्य पाठ एवं अंग्रेजी के सभी पाठों का कठिन शब्दार्थ सहित सरल हिन्दी अनुवाद।
- हिन्दी एवं अंग्रेजी में पाठ्यपुस्तकानुसार एवं पाठ्यक्रमानुसार व्याकरण का समावेश।
- राजस्थान पाठ्यपुस्तक मण्डल द्वारा इस वर्ष चारों विषयों की पाठ्यपुस्तक—हिन्दी, English, गणित एवं पर्यावरण अध्ययन—को combined करके तीन भागों में प्रकाशित किया गया है। अतः इस संजीव आल इन वन में पूर्णतः नवीन पाठ्यपुस्तकों के अनुसार अध्यायों को तीन भागों में बाँटा गया है।
- पाठ्यपुस्तक भाग-2 एवं भाग-3 के प्रारम्भ में 'कार्यपत्रक' दिये गये हैं। इस संजीव आल इन वन में इन्हें हल सहित दिया गया है।
- पाठ्यपुस्तक भाग-2 एवं भाग-3 के प्रारम्भ में हिन्दी एवं English में 'हमने सीखा'/What we have learnt' के अन्तर्गत विद्यार्थियों से व्याकरण/ Grammar एवं रचना/Writing के जिन-जिन Topics को सीखने की अपेक्षा की गयी है लगभग उन सभी Topics को इस संजीव आल इन वन में दिया गया है।

छात्र/छात्रा का नाम .....

कक्षा ..... वर्ग .....

विषय .....

विद्यालय का नाम .....

प्रकाशक
संजीव प्रकाशन
धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर
© प्रकाशकाधीन

लेजर टाइपसैटिंग
संजीव प्रकाशन (D.T.P. Dept.), जयपुर
अक्षत कम्प्यूटर्स, जयपुर

विषय-सूची

भाग-1

हिन्दी

1. देश की माटी 3
2. मीठे बोल 5
3. शिष्टाचार 6
4. समय सुबह का 9
5. आओ खेलें-खेल 12
6. आदमी का धर्म 14
7. कलाकार का असन्तोष 16

व्याकरण **18-22**

कहानियाँ 23-24

प्रार्थना-पत्र एवं पत्र-लेखन 25

निबन्ध लेखन 25-29

आत्मकथा 29

ENGLISH

Let's Learn English

1. Work While You Work 30
2. A Smile with Blessing 35
3. The Clever Minister 41
4. Good Habits 46
5. Swachh Bharat Abhiyan 51
6. Charbhujanath Mandir 58
7. Traffic Lights 64

VOCABULARY AND GRAMMAR 69

WRITING

1. Paragraph Writing 88
2. Story Writing 90
3. Poster Writing 91

गणित

1. संख्याएँ 92
2. दो अंकों की संख्याओं की जोड़ 106
3. घटाव 113
4. बताओ भाई कितना गुना 119
5. भाग से परिचय 123
6. वैदिक गणित परिचय 127
7. भारतीय मुद्रा 128
8. अलग-अलग आकृतियाँ 135

पर्यावरण अध्ययन

1. रिश्ते-नाते 140
2. मित्रता 145
3. खेल-खेल में 148
4. स्वच्छता की आदत 152
5. हरी-हरी पत्तियाँ 155
6. देखो, जंगल अजब निराला 160
7. आओ, पानी को समझें 163
8. जल ही जीवन का आधार 166
9. भोजन में विविधता 170

भाग-2

हिन्दी

कार्यपत्रक **177**

8. गीत यहाँ खुशहाली के 178
9. मैं सड़क हूँ 181
10. काठ की पुतली : नाचे, गाएँ 183

11. अपना देश 185
12. साहसी बालिका 188
13. अजमेर की सैर 190
14. अब तक बहुत बह चुका पानी 193

ENGLISH

Exercise **196**

Let's Learn English

8. Life Echoes 197
9. Birds' Paradise 203
10. Little Pride 210
11. Our Lifeline : The Trees 214
12. Chhatrapati Shivaji 219
13. Winds 224

गणित

कार्यपत्रक **229**

9. पैटर्न 230
10. समय 234
11. भार (वजन) 240
12. धारिता 245
13. लम्बाई मापन 249
14. क्षेत्रफल 253
15. बँटवारा (भिन्न संख्या) 256

पर्यावरण अध्ययन

कार्यपत्रक **260**

10. भोजन बनाना 261
11. भोजन सम्बन्धी अच्छी आदतें 265
12. हमारे गौरव-I 268
13. त्योहार, पर्व और जयंती 271
14. आओ, मेरे घर 274
15. मेरा घर और उनका घर 277
16. आओ, नक्शा बनाएं 280
17. रूप बदलती मिट्टी 282

भाग-3

हिन्दी

कार्यपत्रक **287**

15. अटल ध्रुव 290
16. बताओ मैं कौन हूँ 292

हिन्दी मौखिक परीक्षा **294**

ENGLISH

Exercise **295**

Let's Learn English

14. The Crows and the Cruel Cobra 297
15. Freedom Fighters of Rajasthan 303

Oral Examination **310**

गणित

कार्यपत्रक **311**

16. सममिति 314
17. आओ आंकड़े एकत्रित करें 318

पर्यावरण अध्ययन

कार्यपत्रक **326**

18. अलग-अलग हैं सबके काम 327
19. यातायात के साधन 331
20. संचार के साधन 335

मॉडल पेपर **338-352**

◆◆◆

हिन्दी–कक्षा 3

पाठ-1. देश की माटी

कठिन-शब्दार्थ एवं सरलार्थ—

(1)

देश की माटी, देश का जल।
हवा देश की, देश के फल।
सरस बनें प्रभु, सरस बनें॥

कठिन-शब्दार्थ—माटी = मिट्टी। **जल** = पानी। **सरस** = रसीला/मोहक। **प्रभु** = ईश्वर।

सरलार्थ—कवि ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कह रहा है कि हे ईश्वर, इस देश अर्थात् भारत की मिट्टी सरस अर्थात् उपजाऊ बने। इस देश की हवा सरस अर्थात् सुगंधित बने, इस देश का पानी सरस अर्थात् मीठा बने और इस देश के फल सरस अर्थात् रसीले बनें।

(2)

देश के घर और देश के घाट।
देश के वन और देश के बाट।
सरल बनें प्रभु, सरल बनें॥

कठिन-शब्दार्थ—घाट = नदी इत्यादि के तट पर या आस-पास बना सीढ़ीदार स्थान। **वन** = जंगल। **बाट** = रास्ता। **सरल** = आसान।

सरलार्थ—कवि ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कह रहा है कि इस देश के घर सरल अर्थात् खुशहाल बनें, नदियों इत्यादि के घाट सरल अर्थात् सुरक्षित बनें, देश के वन हरे-भरे और रास्ते आसान बनें।

(3)

देश के तन और देश के मन।
देश के घर के भाई-बहन।
विमल बनें प्रभु, विमल बनें॥

कठिन-शब्दार्थ—तन = शरीर। **मन** = हृदय/दिल। **विमल** = स्वच्छ/निर्मल।

सरलार्थ—कवि कह रहा है कि हे ईश्वर, इस देश के लोगों के शरीर और मन स्वच्छ/निर्मल सोच के हों। यहाँ के लोगों के हृदय में एक-दूसरे के प्रति प्यार हो। सब आपस में भाई-बहिनों की तरह स्वच्छ/निर्मल हृदय के साथ रहें।

(4)

देश की इच्छा, देश की आशा।
देश की शक्ति, देश की भाषा।
एक बनें प्रभु, एक बनें॥

कठिन-शब्दार्थ—इच्छा = चाहत। **आशा** = उम्मीद। **शक्ति** = ताकत। **भाषा** = बोली।

सरलार्थ—कवि कह रहा है कि हे ईश्वर, इस देश के लोगों की चाह, यहाँ के लोगों की उम्मीदें सब एक जैसी हों, किसी कारण से कोई भेद नहीं हो। यहाँ के लोगों की ताकत हमेशा एकजुट हो और यहाँ के लोगों की भाषा-बोली एक जैसी हो।

(5)

देश की माटी, देश का जल।
हवा देश की, देश के फल।
सरस बनें प्रभु, सरस बनें॥

सरलार्थ—कवि रविन्द्रनाथ टैगोर अंत में ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कह रहे हैं कि हे ईश्वर, इस देश की मिट्टी, पानी, देश की हवा और देश के फल सब सरस बनें। यह देश सभी तरह से परिपूर्ण और एकजुट होकर खूब फले-फूले।

पाठ्यपुस्तक के प्रश्नोत्तर

सोचे और बताएँ—

प्रश्न 1. सरस बनाने के लिए किसे निवेदन किया गया है?

उत्तर—सरस बनाने के लिए प्रभु अर्थात् ईश्वर से निवेदन किया गया है।

प्रश्न 2. हमारा तन और मन किसका बताया गया है?

उत्तर—हमारा तन और मन देश का बताया गया है।

प्रश्न 3. वन और बाट कैसे होने चाहिए?
उत्तर—वन और बाट सरल होने चाहिए।

लिखें—

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें।
(भाई-बहन, सरस, इच्छा, फल)
(क) हवा देश की देश के .....।
(ख) सरस बनें प्रभु ..... बनें।
(ग) देश के घर के .....।
(घ) देश की ..... देश की आशा।
उत्तर—(क) फल, (ख) सरस, (ग) भाई-बहन, (घ) इच्छा।

प्रश्न 2. देश की माटी व जल कैसे होने चाहिए?
उत्तर—देश की माटी व जल सरस होने चाहिए।

प्रश्न 3. वन और बाट से क्या आशय है?
उत्तर—वन से आशय जंगल व बाट से आशय रास्ता है।

प्रश्न 4. विमल बनने के लिए किसको कहा गया है?
उत्तर—देश में रहने वाले सभी लोगों, उनके मन तथा देश के प्रत्येक भाई-बहन को विमल बनने के लिए कहा गया है।

प्रश्न 5. तन और मन का देश से क्या संबंध है?
उत्तर—तन और मन से आशय है इस देश के लोग और उनकी सोच। जैसे देश के लोग और उनकी सोच होगी वैसा ही देश बनेगा।

प्रश्न 6. किस-किसके लिए एक बनने को कहा गया है?
उत्तर—देश के लोगों की इच्छा, चाहत, उम्मीद, यहाँ के लोगों की ताक़त और देश की भाषा को एक बनने को कहा गया है।

भाषा की बात—

नीचे कुछ शब्द और उनके विपरीत अर्थ वाले शब्द दिए जा रहे हैं, उन्हें रेखा खींचकर मिलाएँ—

	आशा	विदेश
	इच्छा	नीरस
	शक्तिशाली	निराशा
	देश	अनिच्छा
	सरस	कमज़ोर
उत्तर—	आशा	विदेश
	इच्छा	नीरस
	शक्तिशाली	निराशा
	देश	अनिच्छा
	सरस	कमज़ोर

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

वस्तुनिष्ठ प्रश्न—

प्रश्न 1. पाठ में किससे विनती की गई है?
(अ) राजा से (ब) मंत्री से
(स) प्रभु से (द) गुरु से। ( )

प्रश्न 2. विमल बनाने की प्रार्थना किस के लिए की गई है?
(अ) देश की शक्ति को (ब) देश की माटी को
(स) देश के घाट को (द) देश के मन को। ( )

प्रश्न 3. देश के भाई-बहन कैसे बनें?
(अ) सरस (ब) विमल
(स) सरल (द) एक। ( )

प्रश्न 4. देश में क्या-क्या चीज़ें सरस होने की विनती की गई है?
(अ) हवा (ब) जल
(स) माटी (द) उक्त सभी। ( )

उत्तर—1. (स) 2. (द) 3. (ब) 4. (द)

रिक्त स्थान भरो—

प्रश्न 1. देश की माटी ..... बने। (सरस/सरल)

प्रश्न 2. देश के तन और देश के .....। (जन/मन)

प्रश्न 3. देश की शक्ति, देश की .....। (ताकत/भाषा)

प्रश्न 4. देश के ..... और देश के बाट। (वन/जंगल)

उत्तर—1. सरस, 2. मन, 3. भाषा, 4. वन।

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न—

प्रश्न 1. देश की भाषा कैसी बनने को कहा गया है?
उत्तर—देश की भाषा एक बनने को कहा गया है।

प्रश्न 2. देश के फल कैसे होने चाहिए?
उत्तर—देश के फल सरस होने चाहिए।

प्रश्न 3. देश के वन कैसे बनने की विनती की गई है?
उत्तर—देश के वन सरल बनने की विनती की गई है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न—

प्रश्न 1. किस-किस को सरल बनने के लिए कहा गया है?
उत्तर—कविता में देश के घर, देश के घाट, देश के वन और देश के रास्तों को सरल बनने के लिए कहा गया है।

प्रश्न 2. देश की आशा से क्या आशय है?
उत्तर—देश की आशा का अर्थ है, देश के लोगों के लक्ष्य, लोगों के सपने जो वे सुखी और समृद्ध जीवन के लिए प्राप्त करना चाहते हैं।

पाठ-2. मीठे बोल

कठिन-शब्दार्थ—नज़र पड़ना = दिखना। **ज़रूर** = अवश्य। **दयालु** = दया करने वाला। **दानी** = दान करने वाला। **कारोबार** = कार्य/व्यापार। **खुश** = प्रसन्न। **खूब सारा** = बहुत सारा। **मूर्ख** = बेवकूफ़। **निर्बल** = कमज़ोर। **अकड़ना** = घमंड करना/ऐंठना। **बेईमान** = झूठा। **धूर्त** = दुष्ट/चालाक। **झट से** = तुरंत। **दर्द** = पीड़ा। **अनमोल** = बहुत कीमती।

पाठ का सार—एक खरगोश था। एक दिन वह बाज़ार से एक दुकानदार के पास से मीठी-मीठी बातें बोलकर कुछ गुड़ ले आया। जंगल में एक लोमड़ी ने उसे गुड़ खाते देख लिया। लोमड़ी धूर्त और लालची थी। उसने सोचा खरगोश तो मूर्ख है, जो इतने से गुड़ में खुश हो गया। मैं तो ज़्यादा गुड़ लेकर आऊँगी। उसने दुकानदार को धमकी देते हुए अकड़ कर गुड़ की भेली माँगी। दुकानदार समझ गया था कि लोमड़ी धूर्त है। उसने लोमड़ी को एक बोरा दिया, जिसमें बहुत सारे चींटे भरे हुए थे। लोमड़ी बहुत खुश हुई। उसने गुड़ निकालने के लिए जैसे ही बोरे में हाथ डाला, बहुत सारे चींटे उसके हाथ में चिपक गए। लोमड़ी दर्द के मारे चिल्लाई और बोली नहीं चाहिए तेरा गुड़। तेरा गुड़ तो खारा है।

पाठ्यपुस्तक के प्रश्नोत्तर

सोचें और बताएँ—

प्रश्न 1. खरगोश को गुड़ खाते हुए किसने देखा?

उत्तर—खरगोश को गुड़ खाते हुए लोमड़ी ने देखा।

प्रश्न 2. लोमड़ी बाज़ार की तरफ़ क्यों गई ?

उत्तर—लोमड़ी दुकानदार से गुड़ लेने बाज़ार की तरफ़ गई।

प्रश्न 3. दुकानदार ने लोमड़ी के बारे में क्या सोचा?

उत्तर—दुकानदार ने सोचा कि लोमड़ी धूर्त है।

लिखें—

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें—

(जंगल, धूर्त, निर्बल, मूर्ख)

(क) मैं उसकी तरह ..... नहीं हूँ।

(ख) यह लोमड़ी ..... है।

(ग) वह ..... की ओर भागते हुए चिल्लाई।

(घ) खरगोश तो ..... है।

उत्तर—(क) निर्बल, (ख) धूर्त, (ग) जंगल, (घ) मूर्ख।

प्रश्न 2. किसने कहा—

(क) आप बहुत दयालु हैं।

(ख) मैं निर्बल नहीं हूँ।

(ग) बैठो-बैठो, मैं तुम्हें गुड़ देता हूँ।

उत्तर—(क) खरगोश ने।

(ख) लोमड़ी ने।

(ग) दुकानदार ने।

प्रश्न 3. खरगोश ने गुड़ की भेलियों को देखकर क्या सोचा?

उत्तर—गुड़ की भेलियाँ देखकर खरगोश ने सोचा कि कितना अच्छा हो उसे थोड़ा गुड़ खाने को मिल जाए।

प्रश्न 4. लोमड़ी ने दुकानदार से क्या-क्या कहा?

उत्तर—लोमड़ी ने दुकानदार से कहा कि तुम बेईमान हो, सामान कम तोलते हो। मिलावट करते हो। मुझे गुड़ की भेली दो, नहीं तो मैं तुम्हारी शिकायत करूँगी।

प्रश्न 5. लोमड़ी की बातें सुनकर दुकानदार ने क्या किया?

उत्तर—लोमड़ी की बातें सुनकर दुकानदार ने उसे गुड़ का एक बोरा दिया, जिसमें बहुत सारे चींटे थे।

प्रश्न 6. दुकानदार के स्थान पर आप होते तो लोमड़ी की बातें सुनकर क्या करते?

उत्तर—दुकानदार के स्थान पर हम होते तो लोमड़ी को डण्डे से मारकर भगा देते।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

वस्तुनिष्ठ प्रश्न—

प्रश्न 1. खरगोश ने दुकानदार से गुड़ कैसे लिया?

(अ) चुराकर (ब) माँगकर

(स) छिपकर (द) लड़कर। ( )

प्रश्न 2. खरगोश के मीठे बोल सुनकर दुकानदार क्या हुआ?

(अ) खुश हुआ (ब) दुःखी हुआ

(स) गुस्सा हुआ (द) कुछ नहीं हुआ। ( )

प्रश्न 3. लोमड़ी स्वभाव से कैसी थी?

(अ) दयालु (ब) विनम्र

(स) धूर्त (द) समझदार। ( )

प्रश्न 4. लोमड़ी ने दुकानदार से गुड़ कैसे माँगा?
(अ) विनम्रता से (ब) मीठा बोलकर
(स) गिड़गिड़ा कर (द) अकड़कर। ( )
उत्तर—1. (ब) 2. (अ) 3. (स) 4. (द)

रिक्त स्थान भरो—

प्रश्न 1. उसकी नज़र गुड़ की ..... पर पड़ी। (बोरियों/भेलियों)
प्रश्न 2. खरगोश की बात सुनकर ..... खुश हो गया। (दुकानदार/व्यापारी)
प्रश्न 3. वह दुकानदार के पास गई और ..... बोली। (अकड़कर/विनम्रता से)
प्रश्न 4. हाथ डालते ही ..... उसके हाथ पर चिपक गए। (गुड़/चींटे)
उत्तर—1. भेलियों, 2. दुकानदार, 3. अकड़कर, 4. चींटे।

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न—

प्रश्न 1. दुकानदार किसकी बात सुनकर खुश हो गया?
उत्तर—दुकानदार खरगोश की बात सुनकर खुश हो गया।
प्रश्न 2. किसे देखकर खरगोश ने गुड़ छिपा लिया?
उत्तर—लोमड़ी को देखकर खरगोश ने गुड़ छिपा लिया।
प्रश्न 3. दुकानदार से किसने अकड़कर बात की?
उत्तर—दुकानदार से लोमड़ी ने अकड़कर बात की।
प्रश्न 4. लोमड़ी ने दुकानदार से क्या माँगा?
उत्तर—लोमड़ी ने दुकानदार से गुड़ की भेली माँगी।

लघूत्तरात्मक प्रश्न—

प्रश्न 1. खरगोश ने दुकानदार से क्या कहा?
उत्तर—खरगोश ने दुकानदार से कहा कि आप दयालु हैं। दानी हैं। जीवों पर दया करते हैं। आपका कारोबार बढ़े। क्या आप मुझे थोड़ा गुड़ देंगे?
प्रश्न 2. दुकान पर गुड़ का ढेर देखकर लोमड़ी ने क्या सोचा?
उत्तर—दुकान पर गुड़ का ढेर देखकर लोमड़ी ने सोचा कि खरगोश तो मूर्ख है, थोड़ा सा गुड़ लेकर ही खुश हो गया, लेकिन मैं उसकी तरह निर्बल नहीं हूँ। दुकानदार को धमका कर बहुत सारा गुड़ ले लूँगी।
प्रश्न 3. लोमड़ी को मज़ा चखाने के लिए दुकानदार ने क्या किया?
उत्तर—लोमड़ी को मज़ा चखाने के लिए दुकानदार एक गुड़ का बोरा लेकर आया, जिसमें बहुत सारे चींटे थे। वह लोमड़ी से बोला, इसमें से चाहे जितना गुड़ ले लो।
प्रश्न 4. इस कहानी से क्या शिक्षा मिलती है?
उत्तर—इस कहानी 'मीठा बोल' से यह शिक्षा मिलती है कि मीठे वचन बोलकर किसी का भी दिल जीता जा सकता है, जबकि कड़वे वचन बोलने से बदले में दण्ड ही मिलता है।

पाठ-3. शिष्टाचार

कठिन-शब्दार्थ—बड़ाई = प्रशंसा। **वस्तु** = चीज़। **संगत** = साथ रहना। **सदैव** = हमेशा। **अनुपयोगी** = बेकार/व्यर्थ। **कचरा-पात्र** = कचरा डालने का डिब्बा। **आज्ञा** = आदेश। **अतिथि** = मेहमान। **स्वागत** = सत्कार। **उत्साह** = उमंग। **आदर** = सम्मान। **नम्रतापूर्वक** = विनय के साथ। **नोचना** = तोड़ना, मरोड़ना। **व्यर्थ** = बेकार में/ बिना कारण। **अभिवादन** = श्रद्धापूर्वक नमस्कार करना। **सहानुभूति** = संवेदना, दया। **शिष्टाचार** = सभ्य आचरण/व्यवहार। **बारी** = अवसर। **प्रतीक्षा** = इंतज़ार। **वृद्ध** = बूढ़े/बुजुर्ग।

पाठ का सार—प्रस्तुत पाठ में शिष्टाचार व अच्छी आदतों के बारे में बताया गया है। सदा सच बोलना, चोरी नहीं करना, कचरा हमेशा कचरा पात्र में डालना, बड़ों की मदद करना, शाला के नियमों का पालन करना इत्यादि कुछ ऐसी अच्छी आदतें हैं जिनका पालन हर व्यक्ति को करना चाहिए। शिष्टाचार का पालन केवल दिखावे के लिए नहीं होना चाहिए। शिष्टाचार का पालन करने से वातावरण हमेशा सुखकारी बना रहता है।

पाठ्यपुस्तक के प्रश्नोत्तर

सोचें और बताएँ—

प्रश्न 1. मगन कैसा लड़का है?
उत्तर—मगन अच्छा लड़का है।
प्रश्न 2. मगन अतिथियों के साथ कैसा व्यवहार करता है?
उत्तर—मगन अतिथियों के साथ अच्छा व्यवहार करता है। वह उत्साह के साथ उनका स्वागत करता है। उन्हें कभी भार नहीं समझता। उनसे विनम्रता से बात करता है।